

Roll No.

DD-2236 (SE)

B. A. (Part III) EXAMINATION, 2020

PHILOSOPHY

Paper Second (a)

(Optional)

(ज्ञानमीमांसा एवं तत्त्वमीमांसा—भारतीय एवं पाश्चात्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. *One* question from each Unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई—1

(UNIT—1)

- आपके अनुसार तत्त्वमीमांसा का सम्प्रत्यय क्या है ? क्या यह दर्शन के लिए अनिवार्य है ? स्पष्ट कीजिए।

What according to you, is the concept of Metaphysics ? Is it essential for Philosophy ? Discuss.

अथवा

(Or)

प्रमा के विभिन्न लक्षणों का विश्लेषण एवं मूल्यांकन कीजिए।

Analyse and evaluate the various definitions of Prama.

[2]

इकाई—2 (UNIT—2)

2. प्रामाण्यवाद सम्बन्धी विभिन्न सिद्धान्तों की परीक्षा कीजिए।

Examine the different theories of the validity of knowledge (Pramanyavada).

अथवा

(Or)

शंकराचार्य के अनिवर्चनीय ख्यातिवाद सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Explain Shankara's theory of Anirvachnīya Khyātivāda.

इकाई—3 (UNIT—3)

3. 'सत्कार्यवाद' को स्पष्ट कीजिए तथा परिणामवाद एवं विवर्तवाद में अन्तर बताइये।

Explain clearly 'Satkaryavada' and distinguish between Parinamavada and Vivartavada.

अथवा

(Or)

सत्यता के संस्कृतता सिद्धान्त की व्याख्या एवं परीक्षा कीजिए।

State and examine the Coherence theory of Truth.

इकाई—4 (UNIT—4)

4. अध्यात्मवाद की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the main characteristics of Spiritualism.

[3]

अथवा

(Or)

वस्तुवाद के सिद्धान्त की विवेचना और परीक्षा कीजिए।

State and examine the theory of Realism.

इकाई—5

(UNIT—5)

5. ‘अनुभववाद’ के ज्ञान सिद्धान्त की व्याख्या एवं परीक्षण कीजिए।

Explain and examine ‘Empiricist’s theory of Knowledge.

अथवा

(Or)

“ज्ञान प्राग्नुभविक संश्लेषणात्मक निर्णयों की समष्टि है।” काण्ट के इस कथन की विवेचना कीजिए।

“Knowledge is a system of a-priori-synthetic judgement.”

Discuss after Kant.

1,450